Total No. of Printed Pages : 3] अनुक्रमांक.....

MASL - 201

काव्य शास्त्र

एम.ए. संस्कृत (एमएएसएल-12/16/17)

द्वितीय वर्ष, सत्र 2020

समय : 2 घंटे पूर्णांक : 80

नोट : यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है। जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल कीजिए।

खण्ड-'क'

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड-'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए गए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बीस (20) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×20=40)

1. काव्यशास्त्रीय परम्परा में आचार्य मम्मट के अवदान की समीक्षा कीजिए।

2. काव्य के स्वरूप को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

3. सोदाहरण काव्यभेदों का वर्णन कीजिए।

4. शब्दशक्तियों का विस्तार से प्रतिपादन कीजिए।

5. रसोत्पत्तिवाद को लेकर प्रचलित मतों का सोदाहरण विवेचन कीजिए।

खण्ड-ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड-'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए दस (10) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×10=40)

1. रसों का नाम बताते हुए वीर रस का एक उदाहरण प्रस्तुत कीजिए।

2. अलङ्कार का लक्षण लिखिए।

3. उपमा का सोदाहरण लक्षण बताइए।

4. उत्प्रेक्षा का स्वरूप सोदाहरण स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

5. आचार्य भरत का परिचय प्रस्तुत कीजिए।

6. आचार्य वामन का जीवनवृत्त तथा कृतित्व बताइए।

7. आचार्य आनन्दवर्धन के जीवनवृत्त एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए।

8. आचार्य विश्वनाथ के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का वर्णन कीजिए।

****